११ चेतक की वीरता

कविता का सारांश

यह कविता महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की वीरता का बखान करती है। कवि ने चेतक की तुलना हवा से की है जो राणा प्रताप के साथ युद्ध भूमि में उड़ता हुआ लगता था। चेतक की गति इतनी तेज थी कि वह युद्ध के मैदान में कहीं भी पहुंच जाता था। वह राणा प्रताप के लिए एक वफादार साथी था और युद्ध में राणा प्रताप की जान बचाने में कई बार सफल रहा। कवि ने चेतक की तुलना बादल से भी की है जो युद्ध के मैदान में शत्रु सेना पर टूट पड़ा। कवि ने चेतक के साहस और बहादुरी का वर्णन बहुत ही मार्मिक ढंग से किया है।

शब्दार्थ:

रण बीच	: युद्ध का मैदान	**भाला**	: एक प्रकार का भाला
चौकड़ी भर-भर कर	: लगातार चक्कर लगाते हुए	**निषंग**	: तीर
निराला	: अद्‌वितीय, अनोखा	**हय टापों**	: घोड़े के खुरों के टाप
अरि-मस्तक	: शत्रु के सिर	**बैरी**	: शत्रु
बाग	: लगाम	**समूह**	: समाज
पुतली	: आँख की पुतली	**वीरता**	: बहादुरी
कौशल	: निपुणता	**विकराल**	: भयानक

पाठ से

मेरी समझ से

अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करेंगे। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था?**

- **चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।** ★
- **चेतक शत्रु की सेना को चारों ओर से घेरकर उस पर टूट पड़ता था ।**
- **चेतक हाथियों के दल के समान बादल के रूप में शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था।**
- **चेतक नदी के उफान के समान शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था ।**

2. **'लेकर सवार उड़ जाता था।' इस पंक्ति में 'सवार' शब्द किसके लिए आया है?**

- **चेतक**
- **महाराणा प्रताप** ★
- **कवि**
- **शत्र**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ तर्कपूर्ण चर्चा कीजिए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने ?

उत्तर:-

1. मैंने नीतिकुशलता इसलिए चुना क्योंकि कविता में चेतक की वीरता और उसकी तीव्रता को बादल की तरह वज्रपात के रूप में वर्णित किया गया है, जो शत्रु पर अचानक और शक्तिशाली हमला करता है।
2. मैंने महाराणा प्रताप इसलिए चुना इसलिए चुना क्योंकि कविता में चेतक की वीरता और उसकी तीव्रता को बादल की तरह वज्रपात के रूप में वर्णित किया गया है, जो शत्रु पर अचानक और शक्तिशाली हमला करता है।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें पढ़कर समझिए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? कक्षा में अपने विचार साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

(क) "निर्भीक गया वह ढालों में, सरपट दौड़ा करवालों में।"

उत्तर: इस पंक्ति में चेतक की निडरता और युद्ध में उसके तेज़ दौड़ने का वर्णन किया गया है। वह बिना किसी डर के ढालों और तलवारों के बीच से दौड़ता था।

(ख) "भाला गिर गया, गिरा निषंग, हय-टापों से खन गया अंग ।"

उत्तर: इस पंक्ति में चेतक के शरीर पर लगे घावों का वर्णन किया गया है। युद्ध में उस पर कई भाले लगे और उसके शरीर पर घाव हो गए।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही भावार्थ से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

पंक्तियाँ	भावार्थ	उत्तर:
1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था। 2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था। 3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था। 4. राणा की पुतली फिर नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था। 5. विकराल बज्र-मय बादल सा अरि की सेना पर घहर गया।	1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता । 2. हवा से भी तेज दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो। 3. शत्रुओं के सिर से ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो। 4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था । 5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात वह उनका भाव समझ जाता था।	1. 2 2. 3 3. 4 4. 5 5. 1

शीर्षक

यह कविता 'हल्दीघाटी' शीर्षक काव्य कृति का एक अंश है। यहाँ इसका शीर्षक 'चेतक की वीरता' दिया गया है । आप इसे क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर: मूल शीर्षक "चेतक की वीरता" निश्चित रूप से कविता के मुख्य विषय को उजागर करता है, लेकिन हम इस कविता के लिए अन्य शीर्षक भी सोच सकते हैं। जैसे की-

- **"हल्दीघाटी का नायक":** यह शीर्षक चेतक को हल्दीघाटी के युद्ध का नायक बताता है और उसकी वीरता को और अधिक उजागर करता है।
- **"अश्व की अद्भुत गाथा":** यह शीर्षक चेतक को एक अश्व के रूप में प्रस्तुत करता है जिसकी कहानी अद्भुत है। यह शीर्षक कविता की काव्यमयी शैली को भी दर्शाता है।
- **"राणा का साथी":** यह शीर्षक चेतक और राणा प्रताप के बीच के अटूट बंधन को दर्शाता है।

कविता की रचना

"चेतक बन गया निराला था।"
"पड़ गया हवा को पाला था।"
"राणा प्रताप का कोड़ा था । "
" या आसमान पर घोड़ा था । "

रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। ये शब्द बोलने-लिखने में थोड़े मिलते-जुलते हैं। इस तरह की तुकांत शैली प्रायः कविता में आती है। कभी-कभी कविता अतुकांत भी होती है। इस कविता में आए तुकांत शब्दों की सूची बनाइए ।

उत्तर:

- उड़ - मुड़
- चालों - भालों
- ढ़ालों - करवालों
- यहाँ - वहाँ
- जहाँ - कहाँ
- लहर - ठहर
- निषंग - अंग
- दंग - रंग

शब्द के भीतर शब्द

"या आसमान का घोड़ा था । "
'आसमान' शब्द के भीतर कौन-कौन से शब्द छिपे हैं-
आस, समान, मान, सम, आन, नस आदि ।

अब इसी प्रकार कविता में से कोई पाँच शब्द चुनकर उनके भीतर के शब्द खोजिए ।

उत्तर:

- चौकड़ी - कड़ी, चौक, चौड़ी
- सवार - सर, रस, वार
- दिखलाया - दिख दिया, लाया
- बादल - दल, बाद, बाल
- सरपट - सर, पट, सट, सप, पर, रस, टर
- निराला - निला, रानी, निरा
- विकराल - राल, विरा, कल, करा, कवि, रावि
- समाज - माज, जस, जमा, मास
- बादल - बाद, दल, दबा, बाल

पाठ से आगे

आपकी बात

" जो तनिक हवा से बाग हिली
लेकर सवार उड़ जाता था । "

(क) 'हवा से लगाम हिली और घोड़ा भाग चला' कविता को प्रभावशाली बनाने में इस तरह के प्रयोग काम आते हैं। कविता में आए ऐसे प्रयोग खोजकर परस्पर बातचीत करें।

उत्तर: 'हवा से लगाम हिली और घोड़ा भाग चला' जैसे प्रयोग कविता को ज्यादा प्रभावशाली बनाते हैं। ये घोड़े की गति और शक्ति को दिखाते हैं, जिससे कविता और भी जीवंत लगती है।

(ख) कहीं भी, किसी भी तरह का युद्ध नहीं होना चाहिए। इस पर आपस में बात कीजिए ।

उत्तर: युद्ध नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे केवल विनाश और दुख होता है। बातचीत और समझदारी से सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, जिससे शांति बनी रह सकती है।

समानार्थी शब्द

कुछ शब्द समान अर्थ वाले होते हैं, जैसे- हय, अश्व और घोड़ा। इन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं।
यहाँ पर दिए गए शब्दों से उस शब्द पर घेरा बनाइए जो समानार्थी न हों-

1.	हवा	(अनल)	पवन	बयार
2.	रण	(तुरंग)	युद्ध	समर
3.	आसमान	आकाश	गगन	(नभचर)
4.	नद	(नाद)	सरिता	तटिनी
5.	करवाल	तलवार	असि	(ढाल)

आज की पहेली

बूझो तो जानें

- **तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान ।**
  दिन में जगता, रात में सोता यही मेरी पहचान ।।
  उत्तर: नयन
- **एक पक्षी ऐसा अलबेला, बिना पंख उड़ रहा अकेला ।**
  बाँध गले में लंबी डोर पकड़ रहा अंबर का छोर ।
  उत्तर: पतंग

- **रात में हूँ दिन में नहीं दीये के नीचे हूँ ऊपर नहीं**
  बोलो बोलो - मैं हूँ कौन?
  उत्तर: परछाई

- **मुझमें समाया फल, फूल और मिठाई**
  सबके मुँह में आया पानी मेरे भाई ।
  उत्तर: गुलाब जामुन

- **सड़क है पर गाड़ी नहीं, जंगल है पर पेड़ नहीं**
  शहर है पर घर नहीं, समंदर है पर पानी नहीं ।
  उत्तर: नक्शा

खोजबीन के लिए

1. महाराणा प्रताप कौन थे? उनके बारे में इंटरनेट या पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करके लिखिए ।

उत्तर: महाराणा प्रताप भारत के एक महान योद्धा और राजपूत शासक थे। वे मेवाड़ के शासक थे और मुगल सम्राट अकबर के खिलाफ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी।

कुछ महत्वपूर्ण बातें जो महाराणा प्रताप के बारे में जानी जाती हैं:

- **हल्दीघाटी का युद्ध**: महाराणा प्रताप सबसे ज्यादा मशहूर हैं हल्दीघाटी के युद्ध के लिए। इस युद्ध में उन्होंने मुगल सेना का सामना किया, हालांकि वे संख्या में कम थे।
- **चेतक**: उनका घोड़ा चेतक भी बहुत प्रसिद्ध था। चेतक की वीरता के कई किस्से प्रचलित हैं।
- **स्वतंत्रता का प्रतीक**: महाराणा प्रताप को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कभी भी मुगलों के सामने घुटने नहीं टेके और अपने राज्य की आजादी के लिए लड़ते रहे।
- **राजपूतों का गौरव**: वे राजपूतों के गौरव का प्रतीक हैं और उन्हें आज भी भारत में एक महान योद्धा के रूप में याद किया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए आप इन विषयों पर गहराई से अध्ययन कर सकते हैं:

- हल्दीघाटी का युद्ध
- चेतक
- मेवाड़ का इतिहास
- मुगल साम्राज्य

2. इस कविता में चेतक एक 'घोड़ा' है। पशु-पक्षियों पर आधारित पाँच रचनाओं को खोजिए और अपनी कक्षा की दीवार पत्रिका पर लगाइए ।

उत्तर: मैं आपको कुछ मशहूर कविताओं के नाम बता सकता हूँ जिनमें पशु-पक्षियों का वर्णन किया गया है:

- **आजाद पंछी**: सुभद्रा कुमारी चौहान
- **कोयल**: सुभद्रा कुमारी चौहान
- **मेरा पंछी**: रवींद्रनाथ टैगोर